NEWS CLIPPING: 12.06.2018

DAINIK JAGRAN

योजनाबद्ध तरीके से करें कार्य : डॉ. आकाश

वाइएमसीए की ओर से जलवायु परिवर्तन तथा सतत ढांचागत विकास विषय पर आयोजित अल्पावधि पाठ्यक्रम में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागियों के साथ डॉ. आकाश सौंधी

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : वाइएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ओर से जलवायु परिवर्तन तथा सतत ढांचागत विकास विषय पर आयोजित एक सप्ताह का अल्पावधि पाठ्यक्रम (एसटीसी) संपन्न हो गया। इसमें 60 से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। पाठ्यक्रम के समापन सत्र में दिल्ली स्थित टेरी विश्वविद्यालय के डॉ. आकाश सौंधी मुख्य वक्ता रहे। सत्र का संचालन डॉ. रेनूका गुप्ता ने किया। पर्यावरणीय धरोहर, स्थिरता तथा देखरेख विषय पर बोलते हुए डॉ. आकाश ने प्रतिभागियों को बताया कि समय रहते ही प्राकृतिक संसाधनों का समुचित प्रबंधन आवश्यक है, जिसके लिए हमें योजनाबद्ध तरीके से कार्य करना होगा, ताकि कॉर्बन उत्सर्जन को कम किया जा सके। पर्यावरण संरक्षण के लिए उच्च वैज्ञानिक तरीकों को अपनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी की अवधारणा हमें जीवन जीने के बेहतर तौर-तरीकों को बताती है, जिसमें शहरों में बढ़ती हुए प्रवाह को समायोजित करने के लिए व्यापक आधारभूत संरचना के निर्माण के लिए प्रौद्योगिकीय विकास पर आधारित योजनाओं का क्रियान्वयन शामिल है। उन्होंने बताया कि स्मार्ट सिटी ई-उपकरणों पर काम करेगी इसलिए आने वाली इमारतों में वायरलेस कनेक्टिविटी, स्मार्ट सुरक्षा और निगरानी प्रणाली जैसी अनेक उन्नत सुविधाएं जोड़ी जाएंगी। ऐसे अधिकांश निर्माण परियोजनाएं भारतीय हरित भवन परिषद् ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल के अनुसार होंगी और पर्यावरण के अनुकूल होंगी। उन्होंने कहा कि पर्यावरण और अर्थव्यवस्था परस्पर संबंधित हैं। इसलिए, उद्योगों को भी पर्यावरण संरक्षण के लिए संवेदनशील बनना होगा। पाठ्यक्रम की संचालिका डॉ. रेनूका गुप्ता ने बताया कि छह दिवसीय पाठ्यक्रम के दौरान दस विशेषज्ञ सत्र आयोजित किए गए, जिसमें जलवायु परिवर्तन, हरित निर्माण, सतत उर्जा, वायु प्रदूषण एवं स्वास्थ्य, निर्माण उद्योग में कार्बन उत्सर्जन को कम करने के उपायों को लेकर विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। पाठ्यक्रम में फरीदाबाद तथा एनसीआर सहित विश्वविद्यालय के एमएससी पर्यावरण विज्ञान के छात्रों ने भी भाग लिया।

पर्यावरण संरक्षण

NEWS CLIPPING: 12.06.2018

DAINIK BHASKAR

प्राकृतिक संसाधनों का समुचित प्रबंधन बहुत जरूरी है : डॉ. आकाश

फरीदाबाद।वाईएमसीए यूनिवर्सिटी द्वारा जलवायु परिवर्तन व सतत ढांचागत विकास विषय पर सप्ताहभर का पाठ्यक्रम संपन्न हो गया। इसमें 60 से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। पाठ्यक्रम की संचालक डा. रेनुका गुप्ता के अनुसार 6 दिवसीय पाठ्यक्रम के दौरान दस विशेषज्ञ सत्र आयोजित किए गए। इसमें जलवायु परिवर्तन, हरित निर्माण, सतत ऊर्जा, वायु प्रदूषण एवं स्वास्थ्य, निर्माण उद्योग में कार्बन उत्सर्जन को कम करने के उपायों को लेकर विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। समापन सत्र में टेरी विश्वविद्यालय दिल्ली के डॉ. आकाश सौंधी मुख्य वक्ता थे। पर्यावरणीय धरोहर, स्थिरता व देखरेख विषय पर उन्होंने कहा कि पर्यावरण और अर्थव्यवस्था संबंधित हैं इसलिए उद्योगों को भी पर्यावरण संरक्षण के लिए संवेदनशील बनना होगा। समय रहते प्राकृतिक संसाधनों का समुचित प्रबंधन जरूरी है। पर्यावरण संरक्षण के लिए उच्च वैज्ञानिक तरीकों को अपनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी की अवधारणा हमें जीवन जीने के बेहतर तौर-तरीकों को बताती है। इसमें शहरों में बढ़ते हुए प्रवाह को समायोजित करने के लिए व्यापक आधारभूत संरचना के निर्माण के लिए प्रौद्योगिकीय विकास पर आधारित योजनाओं का क्रियान्वयन शामिल है।

NEWS CLIPPING: 12.06.2018

HINDUSTAN

वाईएमसीए में ऑनलाइन दाखिले सोमवार से शुरू

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में दाखिले की ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया सोमवार से शुरू हो गई। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर छात्र देश के किसी भी राज्य से कम्प्यूटर के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन फॉर्म भरने की अंतिम तारीख तीन जुलाई है। इस दौरान छात्र एमटेक, एमसीए, एमबीए, एमएससी सहित कई पाठ्यक्रमों में आवेदन कर सकते हैं।

विश्वविद्यालय में बीटेक, एमटेक, एमएससी सहित कई पाठ्यक्रम के लिए करीब 900 सीटें हैं। इसके लिए प्रत्येक वर्ष करीब पांच से छह हजार से अधिक आवेदन भरे जाते हैं। विश्वविद्यालय के एक वरिष्ठ पदाधिकारी का कहना है कि ऑनलाइन आवेदन शुरू हो गए हैं। ऑनलाइन आवेदन भरने से पहले छात्र विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर जाकर विवरण पुस्तिका डाउन लोड कर सकते हैं। इसके साथ ही यह विश्वविद्यालय में भी उपलब्ध है। वहीं, बीटेक के लिए हरियाणा राज्य तकनीकी शिक्षा सोसाइटी की वेबसाइट के माध्यम से आवेदन लिया जाता है।

एसएमएस से जानकारी

ऑनलाइन दाखिले की प्रकिया शुरू होने के बाद विद्यार्थियों को एसएमएस के माध्यम से जानकारियां दी जाएंगी। दाखिले के संबंध में जानकारी लेने के लिए छात्रों को भाग दौड़ नहीं करना होगा। एमएससी पाठ्यक्रम में ऑनलाइन आवेदन फॉर्म भरने की सुविधाएं है, लेकिन एसएमएस के माध्यम से अभी जानकारी नहीं मिल पा रही है।

दाखिला फॉर्म भरने के लिए नहीं करनी होगी दौड़ भाग

ऑन लाइन आवेदन प्रकिया शुरू होने के कारण विश्वविद्यालय में छात्रों की संख्या काफी कम है। कुछ विद्यार्थी वेबसाइट पर विवरण पुस्तिका, पाठ्यक्रम और विश्व विद्यालय के संबंध में तमाम जानकारियां एकत्रित कर रहे हैं। इसे देखकर छात्र आवेदन फॉर्म को आसानी से भर सकते हैं।

दाखिले के लिए सभी पाठ्यक्रम में ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। फॉर्म भरने के दौरान छात्र विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर जाकर तमाम जानकारियां देख सकते हैं। विश्वविद्यालय प्रबंधन का प्रयास होगा कि एसएमएस के माध्यम से दाखिले के संबंध में तमाम जानकारियां मुहैया कराए। -संजय शर्मा, रजिस्टार, वाईएमसीए विश्वविद्यालय

इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम की होती है पढ़ाई

औद्योगिक नगरी में वाईएमसीए में मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रिकल एंड कम्यूनिकेशन, कम्प्यूटर इंजीनियरिंग सहित छह पाठ्यक्रम की पढ़ाई होती है। इसमें प्रत्येक वर्ष बी-टेक के करीब 500 नए छात्रों का दाखिला होता है। इनमें सबसे अधिक डिमांड कप्यूटर इंजीनियरिंग की है। इनमें प्रत्येक वर्ष सिर्फ कम्प्यूटर इंजीनियरिंग और आईटी में करीब 120 छात्रों का दाखिला होता है। इसके अलावा इंजीनियरिंग में एमएससी के भी कई कोर्स होते हैं।

NEWS CLIPPING: 12.06.2018

PUNJAB KESARI (DELHI)

प्राकृतिक संसाधनों का समुचित प्रबन्धन आवश्यक

फरीदाबाद , (पंजाब केसरी):वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालयए फरीदाबाद द्वारा जलवायु परिवर्तन तथा सतत ढांचागत विकास विषय पर आयोजित एक सप्ताह का अल्पावधि पाठ्यक्रम ;एसटीसीद्ध संपन्न हो गया। कार्यक्रम में 60 से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। पाठ्यक्रम के समापन सत्र में टेरी विश्वविद्यालय, दिल्ली से डॉ आकाश सौंधी मुख्य वक्ता रहे। सत्र का संचालन डा रेनूका गुप्ता द्वारा किया गया। पर्यावरणीय धरोहर, स्थिरता तथा देखरेख विषय पर बोलते हुए डॉ आकाश ने प्रतिभागियों को बताया कि समय रहते ही प्राकृतिक संसाधनों का समुचित प्रबन्धन आवश्यक है, जिसके लिए हमें योजनाबद्ध तरीके से कार्य करना होगा ताकि कॉर्बन उत्सर्जन को कम किया जा सके। पर्यावरण संरक्षण के लिए उच्च वैज्ञानिक तरीकों को अपनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी की अवधारणा हमें जीवन जीने के बेहतर तौर.तरीकों को बताती हैए जिसमें शहरों में बढ़ती हुए प्रवाह को समायोजित करने के लिए व्यापक आधारभूत संरचना के निर्माण के लिए प्रौद्योगिकीय विकास पर आधारित योजनाओं का क्रियान्वयन शामिल है।उन्होंने बताया कि स्मार्ट सिटी ई.उपकरणों पर काम करेगी इसलिए आने वाली इमारतों में वायरलेस कनेक्टिविटी, स्मार्ट सुरक्षा और निगरानी प्रणाली जैसी अनेक उन्नत सुविधाएं जोड़ी जायेंगी। ऐसे अधिकांश निर्माण परियोजनाएं भारतीय हरित भवन परिषद् ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल के अनुसार होंगी और पर्यावरण के अनुकूल होंगी। उन्होंने कहा कि पर्यावरण और अर्थव्यवस्था परस्पर संबंधित हैं। इसलिएए उद्योगों को भी पर्यावरण संरक्षण के लिए संवेदनशील बनना होगा। पाठ्यक्रम की संचालिका डा. रेनूका गुप्ता ने बताया कि छह दिवसीय पाठ्यक्रम के दौरान दस विशेषज्ञ सत्र आयोजित किये गये, जिसमें जलवायु परिवर्तनए हरित निर्माणए सतत उर्जा, वायु प्रदूषण एवं स्वास्थ्य, निर्माण उद्योग में कार्बन उत्सर्जन को कम करने के उपायों को लेकर विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई।

अल्पावधि पाठ्यक्रम ;एसटीसीद्ध में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागी समापन सत्र के दौरान।

NEWS CLIPPING: 12.06.2018

PUNJAB KESARI

जलवायु परिवर्तन तथा सतत ढांचागत विकास विषय पर पाठ्यक्रम संपन्न

फरीदाबाद, 11 जून (ब्यूरो): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद द्वारा जलवायु परिवर्तन तथा सतत ढांचागत विकास विषय पर आयोजित एक सप्ताह का अल्पावधि पाठ्यक्रम (एसटीसी) संपन्न हो गया। कार्यक्रम में 60 से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

पाठ्यक्रम के समापन सत्र में टेरी विश्वविद्यालय, दिल्ली से डॉ. आकाश सौंधी मुख्य वक्ता रहे। सत्र का संचालन डा. रेनूका गुप्ता द्वारा किया गया। पर्यावरणीय धरोहर, स्थिरता तथा देखरेख विषय पर बोलते हुए डॉ. आकाश ने प्रतिभागियों को बताया कि समय रहते ही प्राकृतिक संसाधनों का समुचित प्रबन्धन आवश्यक है, जिसके लिए हमें योजनाबद्ध तरीके से कार्य करना होगा ताकि कॉर्बन उत्सर्जन को कम किया जा सके।

पर्यावरण संरक्षण के लिए उच्च वैज्ञानिक तरीकों को अपनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी की अवधारणा हमें जीवन जीने के बेहतर तौर-तरीकों को बताती है, जिसमें शहरों में बढ़ती हुए प्रवाह को समायोजित करने के लिए व्यापक आधारभूत संरचना के निर्माण के लिए प्रौद्योगिकीय विकास पर आधारित योजनाओं का क्रियान्वयन शामिल है। उन्होंने बताया कि स्मार्ट सिटी ई-उपकरणों पर काम करेगी इसलिए आने वाली इमारतों में वायरलेस कनेक्टिविटी, स्मार्ट सुरक्षा और निगरानी प्रणाली जैसी अनेक उन्नत सुविधाएं जोड़ी जाएंगी।

NEWS CLIPPING: 12.06.2018

NAVBHARAT TIMES

दाखिला शुरू

प्रस, फरीदाबाद : वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए सोमवार से ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई। एमबीए, एमएससी, एमटेक, एमसीए सहित कोर्स में ऐडमिशन लेने वाले स्टूडेंट्स 3 जुलाई तक आवेदन कर सकेंगे। छात्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर कहीं से भी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय में मैकेनिकल इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इंफॉर्मेशन टेक्नॉलजी, इलेक्ट्रिकल एंड इंस्ट्रीम्यूनेशनल इंजीनियरिंग की पढ़ाई कराई जाती है।

NEWS CLIPPING: 12.06.2018

AMAR UJALA

वाईएमसीए : पहले दिन सर्वर डाउन, विद्यार्थी निराश

फरीदाबाद। वाईएमसीए विश्वविद्यालय में दाखिला आवेदन के पहले ही दिन सर्वर डाउन की समस्या रही। सर्वर डाउन से परेशान विद्यार्थियों को दाखिला आवेदन के पहले काफी परेशानी हुई। सर्वर डाउन के कारण विश्वविद्यालय से जरूरी जानकारी न मिलने पर छात्र निराश हुए। वाईएमसीए में दाखिले के लिए पहुंचे विद्यार्थियों को जरूरी जानकारी जुटाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। विश्वविद्यालय में ग्रेजुएट और अंडर ग्रेजुएट सीटों के लिए आवेदन किया जा रहा है। ब्यूरो